

# Hindi Murli Quiz 12-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है। मुरली सुनने के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें। पुरानी क्विज के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें।

Q.1) आज की मुरली के अनुसार धारणा के सभी मुख्य पॉइंट्स चयन करें ---

- A. ☐ . 5 तत्वों के बने इन शरीरों को देखते हुए याद बाप को करना है।
- B. ☐ किसी के शरीर छोड़ने पर चिंता नहीं करनी है।
- C. ☐ कोई विकर्म नहीं करना है।
- D. ☐ पुरानी दुनिया से उपराम रहना है।
- E. ☐ कोई भी देहधारी से लगाव नहीं रखना है।

Q.2) "आप पुण्य आत्माओं के -----मे इतनी विशेष शक्ति है जिस शक्ति द्वारा असम्भव को सम्भव कर सकते हो, नाउम्मीदवार को उम्मीदवार बना सकते हो। सिर्फ हर सेकण्ड, हर -----की वैल्यू को जान, -----और सेकण्ड को यूज कर पुण्य की पूंजी जमा करो।"

[निम्नलिखित उत्तरों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

- A. ☐ संकल्प
- B. ☐ कदम
- C. ☐ बोल

Q.3) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---

	Choice		Match
A	त्रिमूर्ति, गोला और झाड़,	1	फिर शिवबाबा तुमको पढ़ाते हैं फिर साथ भी ले जायेंगे।
B	ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा, दोनों का कनेक्शन है ना,	2	यह है मुख्य चित्र।
C	चढ़ती कला एक जन्म में होती है,	3	ब्रह्मा-सरस्वती सो फिर लक्ष्मी-नारायण बनते हैं।
D	अभी तुमको निश्चय है कि सत्य बाप द्वारा हम नर से नारायण बन रहे हैं,	4	मनुष्य को कभी बाप, टीचर, गुरु नहीं कहा जाता।
E	यहाँ तो शिवबाबा के पास जन्म लेते हो,	5	तो मेहनत समाप्त हो जायेगी।
F	हर कर्म अधिकारी पन के निश्चय और नशे से करो,	6	परन्तु उतरती कला में 84 जन्म लगते हैं।

Q.4) "बच्चे जानते हैं हमको अभी स्वर्ग में जाना है, बाकी सबको मुक्ति [मूलवतन] में जाना है। सब तो सतयुग में आ नहीं सकते। तुम्हारा है डीटीज्म। यह हो गया मनुष्य का धर्म। मूलवतन में तो मनुष्य नहीं हैं ना। यहाँ है मनुष्य सृष्टि। मनुष्य ही तमोप्रधान और फिर सतोप्रधान बनते हैं।"

- A. ☐ False
- B. ☐ True

Q.5) "जैसे बच्चा पहले जानता है क्या कि बैरिस्टर क्या होता? पढ़ते-पढ़ते बैरिस्टर बन जाता है। तो यह लक्ष्मी-नारायण भी पढ़ाई से बने हैं। बैरिस्टर, डॉक्टर आदि सबके किताब होते हैं ना। इनका किताब फिर है -----।"

[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

- A. ☐ वेद
- B. ☐ उपनिषद
- C. ☐ गीता
- D. ☐ शास्त्र

Q.6) वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको मिलाएं -----.

	Choice		Match
A	जो शान्ति की सैलवेशन मांगते हैं उन्हें बोलो,	1	क्योंकि तत्वों की थोड़े ही पूजा अथवा याद करनी है।
B	आत्मा को शान्तिधाम में शरीर नहीं होता है,	2	फिर पछतायेंगे कि हम तो श्रीमत पर नहीं चले।
C	अन्त में इम्तहान की रिजल्ट निकलेगी और साक्षात्कार होगा,	3	शान्ति तो शान्तिधाम में ही मिल सकती है।
D	5 तत्वों के इस शरीर अथवा किसी देहधारी से लगाव नहीं रखना,	4	अर्थात् बाप को और विष्णुपुरी को याद करो।

E	बाप कहते हैं- मनमनाभव, मध्याजी भव,	5	इसलिए वहां शान्ति में रहती है ।
F	भगवान थोड़ेही आपेही पूज्य, आपेही पुजारी बनेगे,	6	अगर वह भी पुजारी बने तो फिर पूज्य कौन बनाये?

Q.7) आत्मा बाप को पुकारती है परन्तु न देखा है, न यथार्थ रीति जानती है । पहले तो आत्मा को यथार्थ रीति जानते तब बाप को जानते । अपने को ही नहीं जानते तो समझाये कौन? इसको कहा जाता है-सेल्फ रियलाइज करना । सो बाप बिगर तो कोई करा न सके । आत्मा क्या है, कैसी है, कहाँ से आत्मा आती है, कैसे जन्म लेती है, कैसे इतनी छोटी आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट भरा हुआ है, यह कोई भी नहीं जानते ।

- A. ☐ True / ये वाक्य सही है  
B. ☐ False / ये वाक्य गलत है

Q.8) "सतयुग में तो अकाले मृत्यु होती ही नहीं । समय पर एक शरीर छोड़ दूसरा ले लेते हैं । साक्षात्कार होता है- अब यह शरीर बूढ़ा हुआ है फिर नया लेना है, छोटा बच्चा जाकर बनना है । खुशी से शरीर छोड़ देते हैं । यहाँ तो भल कितने भी बूढ़े होंगे, रोगी होंगे और सोचेंगे भी कि यह शरीर छूट जाए तो अच्छा है, फिर भी मरने के समय रोयेंगे जरूर ।"

- A. ☐ True  
B. ☐ False

Q.9) "तुम खुदाई खिदमतगार सच्चे सैलबेशन आर्मी हो, तुम्हें सबको -----की सैलवेशन देनी है । "  
[निम्नलिखित शब्दों में सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें ]

- A. ☐ हिम्मत  
B. ☐ सुख  
C. ☐ शान्ति  
D. ☐ पवित्रता

Q.10) मनुष्य बिल्कुल ही अज्ञान के अन्धकार में भटक रहे हैं । आज की मुरली के अनुसार उन सभी बातों का चयन करें जो मनुष्यों को अज्ञान के कारण नहीं मालूम हैं-----

- A. ☐ यह लक्ष्मी-नारायण भी मनुष्य का मर्तबा है, इन्होंने यह मर्तबा कैसे पाया ।  
B. ☐ कैसे इतनी छोटी आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट भरा हुआ है, यह कोई भी नहीं जानते ।  
C. ☐ आत्मा क्या है, कैसी है, कहाँ से आत्मा आती है, कैसे जन्म लेती है ।  
D. ☐ यह किसको पता नहीं कि राधे-कृष्ण ही लक्ष्मी-नारायण बनते हैं ।  
E. ☐ कृष्ण स्वर्ग का मालिक था परन्तु मनुष्य कहते कि कृष्ण ने द्वापर में गीता सुनाई ।  
F. ☐ आत्मा बाप को पुकारती है परन्तु बाप को न देखा है, न यथार्थ रीति जानती है ।